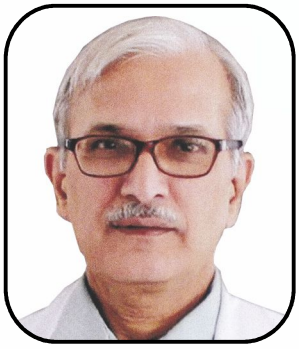

## PROF. (DR.) ASHOK KUMAR MAHAPATRA

Prof. (Dr.) Ashok Kumar Mahapatra is an eminent neuro surgeon working as Medical Advisor to SOADU.

2. Born on 29th December, 1952, at Puri, Prof. (Dr.) Mahapatra joined MKCG Medical College in 1970, where he completed MBBS in 1975. He did MS and MCh Neuro Surgery from AIIMS Delhi. From 1983 - 2017 he worked as a faculty of Neuro Surgery at AIIMS Delhi. He joined as Professor in the year 1996 and as a Senior Professor at AIIMS in the year 2004. He was appointed Director, Sanjay Gandhi Post Graduate Institute of Medical Sciences (SGPGI) Lucknow in 2006 and Director AIIMS Bhubneshwar in the year 2012. He retired as Dean Research, AIIMS New Delhi after spending nearly 42 years at AIIMS (Delhi). He worked as Vice-Chancellor at SOA University (Deemed to be University), at Bhubneswar and superannuated in 2022 December. Currently, he is working as Medical Advisor to SOADU.

3. During the tenure at AIIMs, Prof. (Dr.) Mahapatra published 870 papers, wrote 16 Books and more than 140 chapters. In last 30 years he conducted over 20 research projects. He guided 12 Ph.D students during his tenure at AIIMS. During 1998 – 2008, he had 3rd highest Medical Publication in India and highest no. of publications at AIIMS. He has 870 publications with more than 26,800 citations and H index 64 and I 10 index 569. He figures in 2% scientist of world 2019-2023 and 5% of Neuro Surgeon in the world of Neuro Scientist, and 1% of Pediatric Neuro Surgeon in world.

4. Prof. (Dr.) Mahapatra worked as Director of SGPGI for 3 year (2006-2009) and during these 3 years he successfully completed more than 10-12 projects such as School of Telemedicine, Liver Transplant Centre, BMT Centre, Advanced Pediatric Centre, Trauma Centre etc. and completed 2nd phase of SGPGI (2006-2009). During his tenure 6 depts. were started at SGPGI. 1) Hospital Administration, 2) Pediatric Surgery, 3) Pulmonary Medicine, 4) Maternity and reproductive health, 5) Neonatology and 6) Molecular Medicine.

5. Prof. (Dr.) Mahapatra was the founder Director of AIIMS Bhubaneswar, which was started in 2012. Starting from scratch, MBBS, BSC (Nursing Hons), PG and DM, MCh was started in a four years period between 2012-2016. He also started BSc. (Hons) Medical Technology at AIIMS Bhubaneswar - 2015.

6. Prof. (Dr.) Mahapatra started Neurological Surgeon Society of India (NSSI) in 2011 became the founder President. He also started Indian Society of Peripheral Nerve Surgery (ISPNS),2011 and was the founder President. He contributed heavily to the development of Pediatric Neuro-Surgery (1989-2012), Neuro trauma (1991-2020) and Skull Base Surgeon society in India (1998-2020) and Peripheral Nerve Surgery (2020-2020). In SGPGI, a Centre of Medical Technology was created between 2007-2008. When New AIIMS started, he ensured from Govt. of India MCH to start Medical Technology College in each AIIMS. It was a welcome step and was approved for all 6 AIIMS.

7. In the last 40 years Prof. (Dr.) Mahapatra has received many awards. He received 75 awards delivered 17 Orations and received many life time achievement awards. He was a fellow of National Academy of Science, and member of Academy of Medical Science.

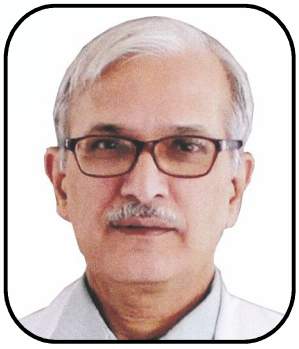

# प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार महापात्र

प्रो.(डॉ.) अशोक कुमार महापात्र एक प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन हैं, जो एसओएडीयू के चिकित्सा सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं।

2. 29 दिसंबर, 1952 को पुरी में जन्मे, प्रो. (डॉ.) महापात्र ने 1970 में एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया, जहां से उन्होंने 1975 में एमबीबीएस पूरा किया। उन्होंने एम्स दिल्ली से न्यूरो सर्जरी में एमएस और एमसीएच भी किया। 1983 से 2017 तक उन्होंने एम्स दिल्ली में न्यूरो सर्जरी के संकाय के रूप में काम किया। उन्होंने एम्स में वर्ष 1996 में प्रोफेसर के रूप में और वर्ष 2004 में वरिष्ठ प्रोफेसर के रूप में काम किया। उन्हें 2006 में संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआई) लखनऊ का निदेशक और वर्ष 2012 में एम्स भुवनेश्वर का निदेशक नियुक्त किया गया। एम्स (दिल्ली) में लगभग 42 साल बिताने के बाद वह एम्स नई दिल्ली के डीन रिसर्च के पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने भुवनेश्वर में एसओए विश्वविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय) में कुलपति के रूप में काम किया और दिसंबर 2022 में सेवानिवृत्त हुए। वर्तमान में, वह एसओएडीयू के चिकित्सा सलाहकार के रूप में काम कर रहे हैं।

3. एम्स में अपने कार्यकाल के दौरान, प्रो. (डॉ.) महापात्र ने 870 शोधपत्र प्रकाशित किए, 16 पुस्तकें और 140 से अधिक अध्याय लिखे। पिछले 30 वर्षों में उन्होंने 20 से अधिक शोध परियोजनाएं संचालित कीं। उन्होंने एम्स में अपने कार्यकाल के दौरान 12 पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन किया। 1998 से 2008 के दौरान, उनके चिकित्सा प्रकाशनों की संख्या भारत में तीसरे नंबर पर और एम्स में सर्वाधिक थी। उनके खाते में 870 प्रकाशन हैं, जिनमें 26,800 से अधिक उद्धरण हैं और एच इंडेक्स 64 और आई 10 इंडेक्स 569 हैं। उनकी गिनती 2019–2023 में दुनिया के 2% वैज्ञानिकों और न्यूरो साइंटिस्ट की दुनिया में 5% न्यूरो सर्जन और दुनिया के 1% बाल चिकित्सा न्यूरो सर्जन में होती है।

4. प्रो. (डॉ.) महापात्र ने 3 साल (2006–2009) तक एसजीपीजीआई के निदेशक के रूप में काम किया और इन 3 सालों के दौरान उन्होंने स्कूल ऑफ टेलीमेडिसिन, लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर, बीएमटी सेंटर, एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर, ट्रॉमा सेंटर आदि जैसी 10–12 से अधिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया और एसजीपीजीआई (2006–2009) का दूसरा चरण पूरा किया। उनके कार्यकाल के दौरान एसजीपीजीआई में 6 विभाग शुरू किए गए– 1. अस्पताल प्रशासन, 2. बाल चिकित्सा सर्जरी, 3. पल्मनरी मेडिसिन, 4. मातृत्व और प्रजनन स्वास्थ्य, 5. नियोनेटोलॉजी और 6. मॉलीक्यूलर मेडिसिन।

5. प्रो. (डॉ.) महापात्र एम्स भुवनेश्वर के संस्थापक निदेशक थे, जिसकी शुरुआत 2012 में हुई थी। स्क्रैच से शुरू करते हुए, 2012–2016 के बीच चार साल की अवधि में एमबीबीएस, बीएससी (नर्सिंग ऑनर्स ), पीजी और डीएम, एमसीएच की शुरुआत की गई। उन्होंने एम्स भुवनेश्वर में 2015 में बीएससी ( ऑनर्स ) मेडिकल टेक्नोलॉजी की भी शुरुआत की ।

6. प्रो.(डॉ.) महापात्र ने 2011 में न्यूरोलॉजिकल सर्जन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसएसआई) की शुरुआत की और इसके संस्थापक अध्यक्ष बने। उन्होंने 2011 में इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी (आईएसपीएनएस) की भी शुरुआत की और इसके संस्थापक अध्यक्ष थे। उन्होंने पीडियाट्रिक न्यूरो –सर्जरी (1989–2012), न्यूरो ट्रॉमा (1991–2020) और भारत में स्कल बेस सर्जन सोसाइटी (1998–2020) और पेरिफेरल नर्व सर्जरी (2020–2020) के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया। एसजीपीजीआई में 2007–2008 के बीच मेडिकल टेक्नोलॉजी सेंटर बनाया गया था। नया एम्स शुरू होने के बाद उन्होंने यह सुनिश्चित करवाया कि भारत सरकार एमसीएच प्रत्येक एम्स में मेडिकल टेक्नोलॉजी कॉलेज शुरू करेगा। यह एक स्वागत योग्य कदम था और इसे सभी 6 एम्स के लिए स्वीकृत किया गया।

7. पिछले 40 वर्षों में प्रो.(डॉ.) महापात्र को कई पुरस्कार मिले हैं। उन्होंने 75 पुरस्कार प्राप्त किए, 17 व्याख्यान दिए और कई लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त किए। वह नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस के फेलो और एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस के सदस्य थे।